नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स 2024

स्रोत: पी.आई.बी.

हाल ही में भारत नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स (NRI) **2024** में 11 पायदान चढ़कर **49वें स्थान पर पहुँच गया है, जो वर्ष 2023 में 60** वें स्थान पर था। यह इसके डिजिटल बुनियादी ढाँचे और क्षमताओं में उल्लेखनीय प्रगति को दर्शाता है।

- **विषय: पोर्टुलांस संस्थान** NRI प्रकाशित करता है, जो **प्रौद्योगिकी, लोग, शासन और प्रभाव जैसे चार प्रमुख स्तंभों** में **54 चरों का उपयोग करके 133 अर्थव्यवस्थाओं का मूल्यांकन करता है।**

भारत की उपलब्धियाँ:

- भारत का स्कोर **वर्ष 2023 में 49.93 से सुधरकर वर्ष 2024 में 53.63 हो गया** , जो विभिन्न डिजिटल मेट्रिक्स और नवाचारों में पर्याप्त प्रगति का संकेत देता है।
- भारत ने प्रमुख क्षेत्रों में **वैश्विक रैंकिंग हासिल की**:
  - **वैश्विक स्तर पर प्रथम रैंक:** AI वैज्ञानिक प्रकाशन, AI प्रतिभा की सघनता, आईसीटी सेवा निर्यात।
  - **वैश्विक स्तर पर दूसरा स्थान**: फाइबर टू द परीमाइसेस (FTTH) **इंटरनेट सब्सक्रिप्शन, मोबाइल ब्रॉडबैंड ट्रैफिक, अंतर्राष्ट्रीय इंटरनेट** बैंडविड्थ।
  - **विश्व स्तर पर तीसरा स्थान**: घरेलू बाज़ार स्तर।
  - वार्षिक दूरसंचार निवेश में **विश्व स्तर पर चौथा स्थान।**

दूरसंचार प्रगति:

- **भारत के दूरसंचार क्षेत्र में** उल्लेखनीय वृद्धि हुई है, जिसमें **टेली-घनत्व 84.69%**, **वायरलेस कनेक्शन 119 करोड़** तथा इंटरनेट उपभोक्ताओं की संख्या **25.1 करोड़ से बढ़कर 94.4 करोड़ हो गई है।**
- **वर्ष 2022 में** 5G सेवाओं के शुभारंभ से भारत की मोबाइल ब्रॉडबैंड स्पीड रैंकिंग **118 वें से बढ़कर 15वें स्थान पर पहुँच गई है**, साथ ही भारत 6G विज़न ने भारत को भविष्य के दूरसंचार क्षेत्र में अग्रणी के रूप में स्थापित किया है।

और पढ़ें: नेटवर्क रेडीनेस इंडेक्स 2022

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/network-readiness-index-2024